Join now Telegram- https://t.me/joinchat/K_BU1RmI1BmxazJOsruF7g

Subscribe Youtube- https://www.youtube.com/channel/UC7HEJ54ia2cU-rS20LHpHtg

3500+ भूगोल के सबसे महत्वपूर्ण वन लाइनर question and answer महत्वपूर्ण तालिका और तथ्यों के साथ E-BOOK pdf - हिंदी में

CLICK HERE- https://examtechnique.in/3500-bhugol-k-sabse-mahatvpurn-one-liner-question-answer-mahatvpurn-tables-and-facts-k-sath-e-book-pdf-hindi-mai

3500+ Most Important One Liner Geography Question and answer with Important Tables and Facts E-BOOK PDF - in English

CLICK HERE- https://examtechnique.in/3500-most-important-one-liner-geography-question-and-answer-with-important-tables-and-facts-e-book-pdf-in-english

2100+ इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण वन लाइनर Q & A, महत्वपूर्ण तालिका और तथ्यों के साथ - हिंदी में

CLICK HERE- https://examtechnique.in/2100-history-k-sabse-mahatvpurn-one-liner-question-and-answer-important-tables-and-facts-k-sath-hindi-mai

2100+ Most Important One Liner History Question and answer with Important Tables and Facts E-BOOK PDF in English

CLICK HERE- https://examtechnique.in/2100-most-important-one-liner-history-question-and-answer-with-important-tables-and-facts-e-book-pdf-in-english

विविध भाग -1+भाग -2(Static GK), सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण तालिका और तथ्यों के साथ E-BOOK PDF - हिंदी में

CLICK HERE- https://examtechnique.in/vividh-bhag1bhag2-sabhi-pratyogi-prakshyon-k-lia-mahatvpurn-table-and-facts-k-sath-e-book-pdf-in-hindi

Miscellany Part-1+ Part-2(Static GK) with imp. Table and Facts for all Govt. Competitive Exams E-Book pdf in English

CLICK HERE- https://examtechnique.in/miscellany-part-1-part-2-with-imp.-table-and-facts-for-all-govt.-competitive-exams-e-book-pdf-in-english

2500+ भारतीय राजनीति के सबसे महत्वपूर्ण वन लाइनर Q&A, सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तालिका और तथ्यों के साथ E-BOOK PDF-हिंदी में

CLICK HERE- https://examtechnique.in/2500-most-imp.-one-liner-indian-polity-qanda-with-imp.-table-and-facts-in-hindi

2500+ Most Imp. One Liner Indian Polity Q&A with Imp. Table and Facts for all Govt. competitive Exams E-book in English

CLICK HERE- https://examtechnique.in/2500-most-imp.-one-liner-indian-polity-qanda-with-imp.-table-and-facts-in-english

2000+ Most Important One Liner Chemistry Q&A with Imp. Tables and Facts E-BOOK PDF in English

CLICK HERE- https://examtechnique.in/2000-most-important-one-liner-chemistry-qanda-with-imp.-tables-and-facts-e-book-pdf-in-english

2000+ रसायन विज्ञान के सबसे महत्वपूर्ण वन लाइनर Q & A, महत्वपूर्ण तालिका और तथ्यों के साथ -हिंदी में

CLICK HERE- https://examtechnique.in/2000-chemistry-k-sabse-mahatvpurn-one-liner-question-and-answer-with-important-tables-and-facts-in-hindi

2000+ भौतिक विज्ञान के सबसे महत्वपूर्ण वन लाइनर Q & A, महत्वपूर्ण तालिका और तथ्यों के साथ E-BOOK PDF -हिंदी में

CLICK HERE- https://examtechnique.in/2000-physics-k-sabse-mahatvpurn-one-liner-question-and-answer-with-important-tables-and-facts

2000+ Most Important One Liner Physics Q&A with Imp. Tables and Facts E-BOOK PDF in English

CLICK HERE- https://examtechnique.in/2000-most-important-one-liner--physics-qanda-with-imp.-tables-and-facts-e-book-pdf-in-english

2800+ जीव विज्ञान के सबसे महत्वपूर्ण वन लाइनर Q & A, महत्वपूर्ण तालिका और तथ्यों के साथ -हिंदी में

CLICK HERE- https://examtechnique.in/2800-jeev-vigyan-k-sabse-mahatvpurn-one-liner-question-and-answer-mahatvpurn-tables-aur-facts-k-sath-hindi-mai

2800+ Most Important One Liner Biology Q&A with Imp. Tables and Facts for all Govt. Competitive Exams E-Book PDF in English

CLICK HERE- https://examtechnique.in/2800-most-important-one-liner-biology-qanda-with-imp.-table-and-facts-for-all-govt.-competitive-exams-e-book-pdf-in-english

Website : http//www.ssgcp.com/
https://www.facebook.com/ssgcpl
https://www.facebook.com/ssgc.gs.qa
https://plus.google.com./+Ssgcpssgcp
https://twitter.com/SamsamyikGhatna

सम-सामयिक

घटना चक्र

अतिरिक्तांक

उत्तर प्रदेश तथ्य सार 2016

upeida
UP Expressway Industrial Development Authority

अनुक्रमणिका

- ❒ **उत्तर प्रदेश (एक दृष्टि में)** 3-5
- ❒ **उत्तर प्रदेश बजट, 2016-17** 6-10
- ❒ **उत्तर प्रदेश जनगणना, 2011** 11-16
- ❒ **उत्तर प्रदेश : अद्यतन तथ्य सार** 17-35
  - योजनाएं/कार्यक्रम
  - चर्चित व्यक्तित्व
  - चर्चित स्थल
  - पुरस्कार/सम्मान
  - विविध
- ❒ **उत्तर प्रदेश : भौगोलिक स्थिति** 36-70
  - भौगोलिक स्थिति
  - जलवायु
  - मिट्टियां
  - नदियां
  - वन एवं प्राकृतिक वनस्पतियां
  - वन्य जीव
  - कृषि
  - पशुपालन
  - सिंचाई
  - ताप विद्युत परियोजनाएं
  - बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाएं
  - खनिज संसाधन
  - उद्योग
  - जनजातियां
  - परिवहन एवं संचार
- ❒ **उत्तर प्रदेश का इतिहास** 71-91
  - कला एवं संस्कृति
  - साहित्य, साहित्यकार एवं पत्रकारिता
- ❒ **उत्तर प्रदेश का राजनीतिक, प्रशासनिक ढांचा** 92-104
  - प्रमुख स्थल एवं संग्रहालय
  - जिले, क्षेत्रफल एवं जनसंख्या
- ❒ **उत्तर प्रदेश में आर्थिक गतिविधियां** 105-116
- ❒ **उत्तर प्रदेश : नियोजन एटलस - प्रमुख बिंदु** 117-119
- ❒ **उत्तर प्रदेश : महत्त्वपूर्ण तथ्य** 120-126
- ❒ **उत्तर प्रदेश : अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य** 127-144

उत्तर प्रदेश में सिविल सेवा के परीक्षार्थी यदि उत्तर प्रदेश से संबंधित जानकारियों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की विभागीय वेबसाइटों को खोलकर बैठ जाएं तो वे हैरान होने की हद तक उलझन में पड़ सकते हैं। यहां ये पाएंगे कि उ.प्र. में नगर निगम 13 भी हैं और 14 भी हैं। उ.प्र. में कृषि विश्वविद्यालय 3 हैं या 4 हैं या फिर 5 हैं। बड़ी मुश्किल होगी यह जानकारी करने में कि उ. प्र. में टाइगर रिज़र्व 2 हैं, या तीन। क्षेत्रफल की दृष्टि से उ.प्र. का सबसे छोटा जिला कौन सा है? गाजियाबाद, हापुड़ या फिर संत रविदास नगर। वेबसाइटों के मुख पृष्ठ पर आप जानकारी पाएंगे कि उ.प्र. का कुल क्षेत्रफल 240928 वर्ग किमी. है, किंतु अंदर के पृष्ठों में यह क्षेत्रफल कम हो गया होगा या फिर अधिक। परीक्षार्थियों की इन समस्याओं का हमें बखूबी ध्यान है। इसीलिए हमने जगह-जगह पर मूल स्रोतों द्वारा प्रदत्त सूचनाओं की त्रुटियों तथा विभिन्नताओं को ध्यान में रखा है तथा यथा स्थान उन्हें इंगित भी किया है। त्रुटियों के सुधार के लिए केंद्र सरकार की आधिकारिक वेबसाइटों द्वारा प्रस्तुत सूचनाओं तथा उ.प्र. की अधिक अद्यतन विभागों द्वारा प्रदत्त सूचनाओं का प्रयोग किया गया है। उदाहरण के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग संबंधी सूचनाओं की अधिक अद्यतन स्थिति के लिए केंद्र सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की वेबसाइट का सहारा लिया गया है। राज्य सभा की सीटें उ.प्र. में कितनी हैं?, इसका स्रोत राज्य सभा की वेबसाइट से उत्तम क्या हो सकता है? नगर निगम, नगर पंचायत इत्यादि की संख्याएं उ.प्र. निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर अधिक अद्यतन स्थिति के रूप में हैं, अतः हम वहां पहुंचे हैं। उ.प्र. के नए जिलों से संबंधित जानकारियों के लिए एकमात्र स्रोत उत्तर प्रदेश सरकार की आधिकारिक वेबसाइटें ही हैं, अतः उनकी क्रास चेकिंग केंद्र सरकार द्वारा प्रदत्त जानकारियों से संभव नहीं हो सकी है। जिलों से संबंधित जानकारियों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार सांख्यिकीय पत्रिका प्रकाशित करती है। इंटरनेट पर जिसका 2012 का संस्करण उपलब्ध है। उ.प्र. तथ्य सार के इस अंक में हमने मानचित्रों के माध्यम से जानकारियां प्रस्तुत करने के तरीके का भी इस्तेमाल किया है। उम्मीद है कि यह प्रस्तुतीकरण परीक्षार्थियों को पसंद आएगा। उ.प्र. तथ्य सार 2016 में प्रकाशित किसी जानकारी/तथ्य के संबंध में कोई शंका उत्पन्न हो तो आप दूरभाष पर हमसे बेहिचक जानकारी मांग सकते हैं।

संकलन सहयोग-

- ➡ काली शंकर तिवारी
- ➡ प्रदीप कुमार तिवारी
- ➡ शिव शंकर तिवारी
- ➡ पंकज पाण्डेय
- ➡ नीरज ओझा
- ➡ राम किशुन पटेल
- ➡ अशोक जोशी

उत्तर प्रदेश (एक दृष्टि में)

स्मरणीय तथ्य
(PTR - Points To Remember)

- **क्षेत्रफल** — 2,40,928 वर्ग किमी. (भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 3287 हजार वर्ग किमी. का लगभग 7.33%)।
- **राजधानी** — लखनऊ।
- **सीमावर्ती प्रदेश** — उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड एवं केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली।
- **सीमावर्ती देश** — नेपाल।
- **प्रमुख नदियां** — गंगा, यमुना, रामगंगा, गोमती, केन, बेतवा और घाघरा।
- **देश में प्रथम स्थान** — गेहूं उत्पादन, कुल खाद्यान्न उत्पादन, दुग्ध उत्पादन, कुल पशु धन, गन्ना उत्पादन, आलू उत्पादन, रेलमार्ग, बैंक शाखाएं एवं पोस्ट ऑफिस में।
- **मौसम** — ग्रीष्म (मार्च से जून), वर्षा (मध्य जून से सितंबर), शीत (अक्टूबर से फरवरी)।
- **जनसंख्या (2011 की जनगणना के अंतिम आंकड़ों के आधार पर)**
  - सकल जनसंख्या– **199,812,341** (भारत की कुल जनसंख्या का 16.51%)
  - महिलाएं — 95,331,831
  - पुरुष — 104,480,510
  - स्त्री-पुरुष अनुपात — 912 : 1000
  - जनसंख्या घनत्व — 829 प्रति वर्ग किमी.
  - जनसंख्या में दशकीय वृद्धि दर — 20.2%
  - शहरी जनसंख्या — 44,495,063 (22.27%)
  - ग्रामीण जनसंख्या — 155,317,278 (77.73%)
  - गरीबी रेखा के नीचे निवासित जनसंख्या (2011-12) — 29.43%
  - **धर्म के अनुसार जनसंख्या** (2011)

हिन्दू	— 159310379.47	(79.73%)
मुस्लिम	— 38483856.87	(19.26%)
सिक्ख	— 639399.491	(0.32%)
बौद्ध	— 199812.341	(0.10%)
ईसाई	— 359662.21	(0.18%)
जैन	— 219793.58	(0.11%)
अन्य धर्म	— 19981.23	(0.01%)
जो किसी धर्म को नहीं मानते	— 579455.98	(0.29%)
कुल	**— 199812341**	

- **कुल साक्षरता दर** (2011) — 67.7%।
  - पुरुष — 77.3% ● स्त्री — 57.2%
  - नगरीय (2011) — 75.1%
  - ग्रामीण (2011)कृ— 65.5%
- **प्रशासनिक इकाइयां (वर्ष** 2014-15)
  - मंडलों की संख्या — 18
  - जिलों की संख्या — 75
  - नगरों एवं नगर समूहों की संख्या — 915

(आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय उत्तर प्रदेश के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार)

  - ग्राम पंचायतें — 59,163
  - न्याय पंचायतें — 8135
  - तहसीलें — 340 (2014-15)
  - सामुदायिक विकास खंड — 821
  - नगर पंचायत — 423
  - नगर पालिका परिषद — 194
  - नगर निगम — 14
  - कुल ग्राम — 106774
  - आबाद ग्राम — 97814
- **परिवहन एवं संचार**
  - कुल सड़क मार्ग की लंबाई — 576 हजार किमी. (2012-13)
  - कुल पंजीकृत मोटर गाड़ियां — 21,828 हजार
  - राजकीय बसें — 10 हजार (2012-13)
  - कुल टेलीफोन — 13.641 करोड़ (2015)
  - डाकघर — 17655 (2014-15)
  - दूरदर्शन केंद्र — 3
  - आकाशवाणी केंद्र — 13
- **शिक्षा** (2014-15)
  - प्राथमिक विद्यालय — 168906 हजार
  - उच्च प्राथमिक विद्यालय — 76901 हजार
  - उच्चतर माध्यमिक विद्यालय — 22750 हजार
  - महाविद्यालय — 4284(2014-15)
  - विश्वविद्यालय — 31(2014-15)
  - पॉलीटेक्निक (राजकीय + निजी) — 118(2014-15)

राजकीय भाषा
हिन्दी, उर्दू

राजकीय चिह्न

मछली

राजकीय पुष्प

पलाश

राजकीय वृक्ष

अशोक

उ.प्र. स्थापना दिवस
1 नवंबर, 1956

राजकीय पशु

बारहसिंगा

राजकीय पक्षी

सारस या क्रौंच

राज्यपाल

श्री राम नाईक

मुख्यमंत्री

श्री अखिलेश यादव

- औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान – 325
- राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज – 11
- मेडिकल कॉलेज – 54

(इसमें नर्सिंग/ फार्मेसी/ आयुर्वेदिक/ होम्यो/ यूनानी कॉलेज सम्मिलित नहीं हैं)।

- केंद्रीय विश्वविद्यालय – 5

❐ जनप्रतिनिधि

- उत्तर प्रदेश के लोक सभा सदस्य – 80
- उत्तर प्रदेश के राज्य सभा सदस्य – 31
- उत्तर प्रदेश के विधान सभा सदस्य – 404 (403 +1 एंग्लो इंडियन)
- उत्तर प्रदेश के विधान परिषद सदस्य – 100

❐ कृषि

- शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल –165.64 लाख हेक्टेयर (2013-14)
- कुल बोया गया क्षेत्रफल – 258.96 लाख हेक्टेयर (2013-14)
- खाद्यान्न उत्पादन – 42.472 मिलियन टन (2014-15)
- दालें –1.447 मिलियन टन (2014-15)
- तिलहन – 0.787 मिलियन टन (2014-15)
- गन्ना – 138.481 मिलियन टन (2014-15)
- आलू – 13.137 मिलियन टन (2014-15)
- गेहूं – 25.22 मिलियन टन (2014-15)
- चावल – 12.221 मिलियन टन (2014-15)
- फसल सघनता – 155.89 प्रतिशत (2013-14)

❐ सिंचाई (2013-14)

- शुद्ध सिंचित क्षेत्र – 140.27 लाख हेक्टेयर
- सकल सिंचित क्षेत्रफल – 20.403 लाख हेक्टेयर
- कुल सृजन योग्य सिंचन क्षमता – 35.902 लाख हेक्टेयर (अनुमानित)
- सिंचन क्षमता का कुल उपयोग – 244.03 लाख हेक्टेयर (अनुमानित

❐ विभिन्न साधनों द्वारा शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का प्रतिशत विवरण

	(कृषि संगणना 2010 -11 के अनुसार)	(अर्थ एवं संख्या प्रभाग, उ.प्र. के अनुसार)
● नलकूप	– 72.17%	71.2%
● नहर	– 19.44%	18.21%
● कुआं	– 7.32%	9.3%
● तालाब, झील तथा पोखर	– 0.75%	0.8%
● अन्य	– 0.32%	0.4%

❐ वानिकी

- वन विभाग के अनुसार कुल अभिलिखित वन – 16,582 वर्ग किमी.
- वन विभाग के अनुसार वन प्रतिशत – 6.88%
- ^{2}.उत्तर प्रदेश में कुल वृक्षावरण एवं वनावरण –21,505 वर्ग किमी. (8.93 प्रतिशत, भौगोलिक क्षेत्रफल के सापेक्ष)
- ^{2}.वनावरण अंतर्गत क्षेत्रफल – 14,461 वर्ग किमी. (कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 6.00 प्रतिशत)

⇒ अति सघन वन – 2195 वर्ग किमी.

⇒ मध्यम सघन वन – 4060 वर्ग किमी.

⇒ खुले वन – 8206 वर्ग किमी.

- वनों के प्रकार – तराई के नम क्षेत्र वाले वन, विंध्य के शुष्क जलवायु के वन, बीहड़ व भाभर वन, सामाजिक तथा पंचायती वन।
- वन्य जीव संरक्षण केंद्र – 24 (वन्य जीव विहार – 12 पक्षी अभयारण्य – 13)
- राष्ट्रीय उद्यान – 1
- प्रमुख वन्य जीव–बाघ, जंगली हाथी, गैंडा, बारहसिंगा, हिरन, सुइस (डॉल्फिन), घड़ियाल, अजगर तथा 650 प्रजातियों के पक्षी।

❐ राज्य आय (त्वरित अनुमान)

- कुल निवल आय राज्य घरेलू उत्पाद (प्रचलित कीमत पर) – 932536 करोड़ रु. (2014-15)
- कुल निवल आय स्थिर कीमतों (2011-12) पर – 740000 करोड़ रु. (2014-2015)
- प्रति व्यक्ति आय (प्रचलित कीमत पर) – 44197 रु. (2014-2015)
- प्रति व्यक्ति आय स्थिर कीमतों (2011-12) पर – 35072 रु. (2014-2015)

❐ औद्योगिक स्रोतानुसार राज्य आय का प्रतिशत अंश 2011-12 **की कीमत पर (त्वरित अनुमान)**

- प्राथमिक क्षेत्र – 26.7%
- द्वितीयक क्षेत्र – 24.4%
- तृतीयक क्षेत्र – 48.9%

❐ सहकारिता (2013-14)

- प्रा. कृषि ऋण सहकारी समितियां – 7562
- जिला केंद्रीय सहकारी बैंक (शाखाएं) – 50
- उ.प्र. राज्य सहकारी कृषि एवं ग्राम विकास बैंक (शाखाएं) – 323

❐ संयुक्त स्कंध कंपनियां तथा बैंकिंग संयुक्त स्कंध कंपनियां – (2013-14)

- कार्यरत कंपनियां – 49,411
- बैंक कार्यालय – 15,275
- बैंकों में प्रति व्यक्ति जमा धनराशि – 315448 रु.

❐ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

- जन्म दर (प्रति हजार जनसंख्या पर) – 27.2 (2013)
- मृत्यु दर (प्रति हजार जनसंख्या पर) – 7.7 (2013)
- शिशु मृत्यु दर (प्रति हजार जनसंख्या पर) – 50 (2013)
- एलोपैथिक चिकित्सालय एवं औषधालय – 5102 (2014-2015)
- आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सालय एवं औषधालय (2014-15) – 2370
- होम्योपैथिक चिकित्सालय एवं औषधालय (2014-15) – 1575

❐ विद्युत (2014-15)

- अधिष्ठापित क्षमता – 5460 मेगावाट
- उत्पादन – 2637 करोड़ किवा. घंटा
- प्रति व्यक्ति विद्युत उपभोग (2014-15) – 299 किवा. घंटा
- पूर्णतः विद्युतीकृत ग्राम (2013-14) – 89,140
- प्रति व्यक्ति विद्युत उत्पादन – 127 कि.वा. घंटा

भारत में उ.प्र. का उल्लेखनीय स्थान

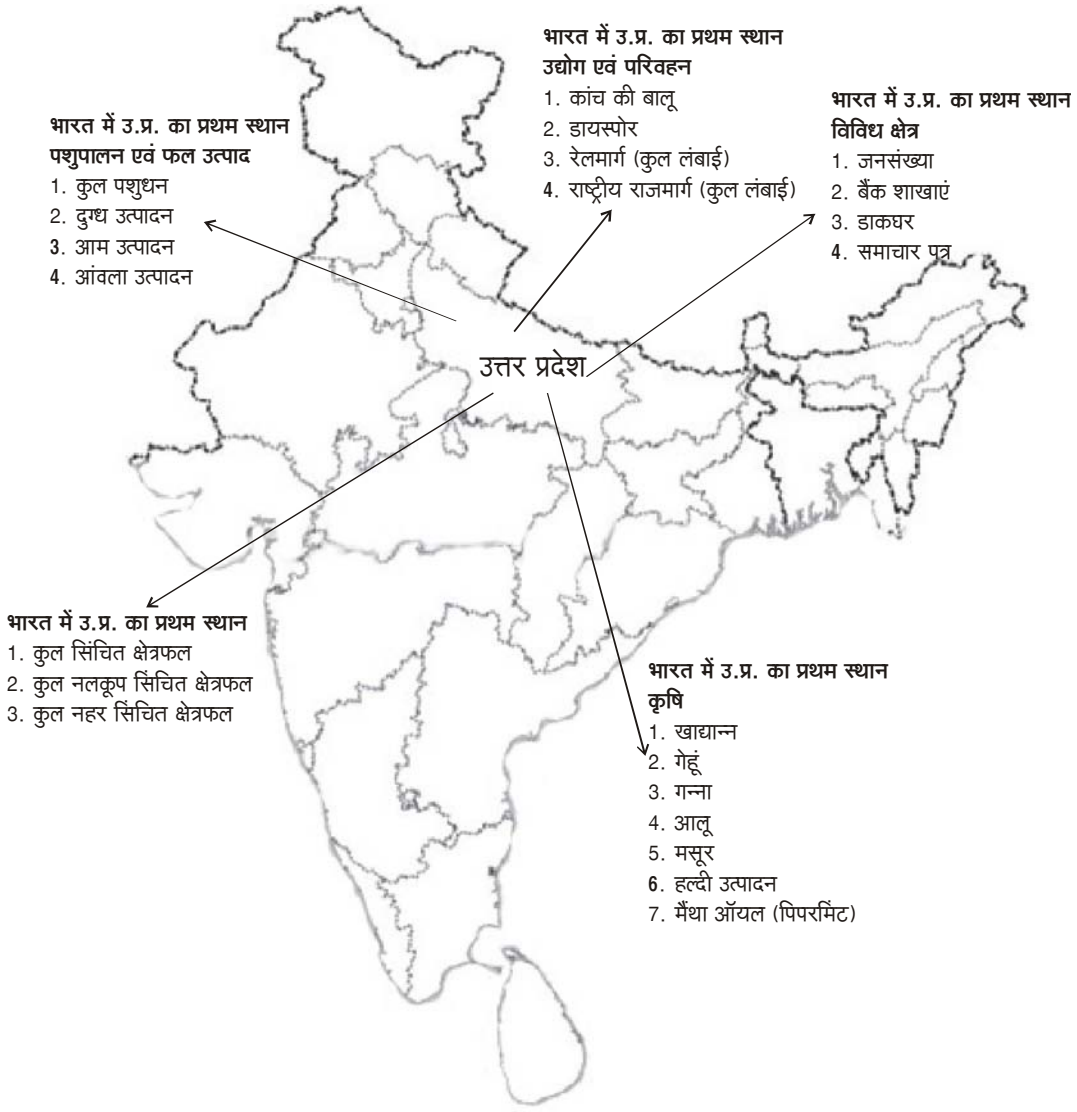

- **प्रमुख फसलें** — धान, गेहूं , जौ, ज्वार, बाजरा, मक्का, उड़द, मूंग, अरहर, चना, गन्ना आदि।
- **प्रमुख फल**—आम, अमरूद, आंवला, कटहल, खरबूज, तरबूज आदि।
- **प्रमुख खनिज** — चूना पत्थर, डोलोमाइट, मैग्नेसाइट, जिप्सम, कांच की बालू , संगमरमर, बाक्साइट, नॉन-प्लास्टिक, फायरक्ले आदि।
- **प्रमुख उद्योग** — सीमेंट, वनस्पति तेल, सूती कपड़ा, सूती धागा, चूड़ी एवं कांच उद्योग, चीनी जूट आदि।
- **प्रमुख हस्तशिल्प** — चिकन का काम, ज़री का काम, लकड़ी के खिलौने तथा फर्नीचर, मिट्टी के खिलौने, कालीन, सिल्क, पीतल का काम आदि।
- **प्रमुख पर्यटन एवं ऐतिहासिक स्थल** — पिपरहवा, कौशाम्बी, श्रावस्ती, सारनाथ (वाराणसी), कुशीनगर, चित्रकूट, लखनऊ, आगरा, झांसी, मेरठ आदि।
- **प्रमुख धार्मिक तीर्थस्थल** — काशी,प्रयाग, अयोध्या, मथुरा, नैमिषारण्य, शक्तिपीठ, विंध्यवासिनी देवी मंदिर, देवीपाटन, देवाशरीफ, नानकमत्ता, कलियर शरीफ, रीडामीठा साहब आदि।
- **प्रमुख लोकगीत** — बिरहा, चैती, कजरी, रसिया, फाग, आल्हा, पूरनभगत, भर्तृहरि।
- **प्रमुख लोक नृत्य** — कठघोड़ा, चरकुला, करमा, पांडव, पाईडंडा, धोबिया, राई थारू और शैरा।

टिप्पणियां

1. *कृषि एवं खाद्यान्न के आंकड़ों का स्रोत कृषि मंत्रालय द्वारा जारी कृषि सांख्यिकीय एक दृष्टि-2014 है तथा शेष आंकड़ों का स्रोत आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय उत्तर प्रदेश है।*
2. *यह भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग, देहरादून द्वारा जारी रिपोर्ट - ''वन स्थिति रिपोर्ट 2015'' के अनुसार है। यह आंकड़ा उपग्रह आधारित चित्रण द्वारा वनों के वास्तविक क्षेत्रफल का होता है।*

उत्तर प्रदेश बजट, 2016-17

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए 12 फरवरी, 2016 को 3,46,935 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया गया। वर्ष 2016-17 के बजट को समावेशी एवं सहभागी बजट बताते हुए मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि इसमें एक ओर प्रदेश की आर्थिक विकास दर में तेजी लाने के लिए अवस्थापना सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है, वहीं दूसरी ओर गांव, गरीब और किसान के हितों का भी पूरा ख्याल रखा गया है। साथ ही अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांग तथा सामान्य वर्ग के गरीब व्यक्तियों के कल्याण की योजनाओं के लिए भी पर्याप्त धनराशि की व्यवस्था की गई है। इस तरह उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार इस बजट के माध्यम से उसका प्रयास है कि प्रदेश के किसान, युवा वर्ग, बेरोजगार, बालिकाएं एवं महिलाएं, अल्पसंख्यक, विपन्न, असहाय, कमजोर एवं पिछड़े वर्ग के लोग भी जीवन और भविष्य के प्रति आशान्वित हो सकें और नई ऊर्जा के साथ स्वयं तथा समाज की उन्नति के लिए कृत संकल्प होकर विकास के नए युग का सृजन कर सकें। तद्नुरूप राज्य सरकार के अनुसार विभिन्न विकास एवं जन-कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के सभी वर्गों एवं समुदायों तथा प्रदेश के समस्त क्षेत्रों को समुचित एवं संतुलित विकास प्रदान करने का प्रयास इस बजट में किया गया है।

वित्तीय वर्ष 2016-17 के बजट के मुख्य बिंदु;

- 12 फरवरी, 2016 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने वित्त वर्ष 2016-17 के लिए बजट प्रस्तुत किया।
- ध्यातव्य है कि मुख्यमंत्री के पास वित्त मंत्रालय का कार्यभार भी है, यह उनका पांचवां बजट है। इससे पूर्व उन्होंने वर्ष 2012-13, 2013-14, 2014-15 और 2015-16 का बजट प्रस्तुत किया था।
- प्रस्तुत बजट का आकार 346,935 करोड़ रुपये है जो वर्ष 2015-16 के बजट के सापेक्ष 14.60 प्रतिशत अधिक है।
- वर्ष 2016-17 में 3,40,120.61 करोड़ रुपये की कुल प्राप्तियां अनुमानित हैं।
- कुल प्राप्तियों में 2,81,555.44 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्तियां तथा 58565.17 करोड़ रुपये की पूंजीगत प्राप्तियां सम्मिलित हैं।
- राजस्व प्राप्तियों में कर राजस्व का अंश 2,06,893.60 करोड़ रुपये है। इसमें केंद्रीय करों में राज्य का अंश 1,05,637.10 करोड़ रुपये सम्मिलित है।
- प्रदेश के स्वयं के कर राजस्व में वर्ष 2015-16 की अपेक्षा लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि सम्मिलित है।
- वर्ष 2016-17 में कुल व्यय 3,46,934.78 करोड़ रुपये अनुमानित है।
- कुल व्यय में 2,53,354.54 करोड़ रुपये राजस्व लेखे का व्यय है तथा 93,580.24 करोड़ रुपये पूंजी लेखे का व्यय है।
- वित्त वर्ष 2016-17 में आयोजनागत व्यय के लिए 1,26,683.66 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।
- वर्ष 2016-17 में 28,200.90 करोड़ रुपये की राजस्व बचत अनुमानित है।
- वित्त वर्ष 2016-17 में 49,960.88 करोड़ रुपये का राजकोषीय घाटा अनुमानित है जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 4.04 प्रतिशत है।
- इस राजकोषीय घाटे में विद्युत वितरण कंपनियों की वित्तीय पुनर्गठन योजना 'उदय' के अंतर्गत जारी किए जाने वाले 13,303 करोड़ रुपये के बंध-पत्र भी सम्मिलित हैं।
- इस राशि को छोड़ने पर राजकोषीय घाटा 36,657.88 करोड़ रुपये होता है जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 2.97 प्रतिशत है।
- राज्य की ऋणग्रस्तता सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 30.3 प्रतिशत अनुमानित है।
- समेकित निधि की प्राप्तियों से कुल व्यय घटाने के पश्चात 6814.17 करोड़ रुपये का घाटा अनुमानित है।
- लोक लेखे से 7,200 करोड़ रुपये की शुद्ध प्राप्तियां अनुमानित हैं।
- वर्ष 2016-17 में समस्त लेन-देन का शुद्ध परिणाम 385.83 करोड़ रुपये अनुमानित है।
- वर्ष 2016-17 में प्रारंभिक शेष 179.55 करोड़ रुपये को हिसाब में लेते हुए अंतिम शेष 565.38 करोड़ रुपये होना अनुमानित है।
- बजट में 13,842 करोड़ रुपये की नई योजनाएं सम्मिलित की गई हैं।

कृषि

- वर्ष 2016-17 को 'किसान वर्ष' और 'युवा वर्ष' घोषित किया गया है।
- कृषक दुर्घटना बीमा योजना की राशि को बढ़ाकर 1 लाख से 5 लाख रुपये किया गया। इस योजना से 2,50,00,000 (2.50 करोड़) किसान खातेदार आच्छादित हैं।
- कृषक दुर्घटना बीमा योजना के लिए 240 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था है।
- किसानों के अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान के लिए 1336 करोड़ रुपये बजट व्यवस्था की गई है।
- किसानों और जनसामान्य के लक्षित समूह के व्यक्तियों हेतु समाजवादी किसान एवं सर्वहित बीमा योजना हेतु 897 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था के साथ प्रस्तावित है।
- आम आदमी बीमा योजना के लिए 50 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं।
- प्रदेश में कम वर्षा के कारण 50 जनपदों को सूखाग्रस्त घोषित किया गया है।

- सूखे से कृषि फसलों को हुई क्षति से निपटने के लिए 2057 करोड़ रुपये की कार्ययोजना तैयार की गई है।
- राष्ट्रीय कृषि योजना के अंतर्गत 787 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रारंभिक सहकारी कृषि ऋण समितियों के माध्यम से अल्पकालिक फसली ऋण 3 प्रतिशत ब्याज दर पर किसानों को उपलब्ध कराए जाने के लिए 200 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं।
- जनपद बहराइच में किसान बाजार स्थापित करना प्रस्तावित है।
- हमीरपुर में जैविक खेती की विकास योजना के लिए 10 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- वर्ष 2015-16 में 89 लाख मीट्रिक टन खाद वितरण लक्ष्य के सापेक्ष वर्ष 2016-17 में 98 लाख मीट्रिक टन खाद वितरण का लक्ष्य प्रस्तावित है।
- वर्ष 2015-16 में 627 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न उत्पादन के लक्ष्य के सापेक्ष वर्ष 2016-17 में खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य 660 लाख मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है।
- वर्ष 2016-17 में तिलहन उत्पादन का लक्ष्य 14 लाख मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है।
- वर्ष 2016-17 में 93,212 करोड़ रुपये का फसली ऋण वितरित कराए जाने का लक्ष्य है।
- वर्ष 2016-17 में 56 लाख कुंतल (11 लाख कुंतल खरीफ फसलों हेतु + 45 लाख कुंतल रबी फसलों हेतु) बीज वितरण का लक्ष्य प्रस्तावित है।
- वर्ष 2016-17 में प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलंबी योजना के अंतर्गत 1000 एग्री जंक्शन की स्थापना प्रस्तावित है।
- किसान दिवस के अवसर पर उत्तम कृषकों को प्रदान की जाने वाली कृषक पुरस्कार को बढ़ाकर 20,000 रु., 15,000 रु. तथा 10,000 रु. से बढ़ाकर क्रमशः 1 लाख रु., 75,000 रु. तथा 50,000 रु. किए जाने का प्रस्ताव है। प्रदेश की तीन प्रगतिशील महिला कृषकों को भी पृथक श्रेणी के अंतर्गत इसी के अनुसार पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।
- आजमगढ़ तथा लखीमपुर खीरी में नए कृषि महाविद्यालय में आधारभूत सुविधाओं का विकास किए जाने हेतु वर्ष 2016-17 में 28 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है। जनपद गोण्डा में निर्माणाधीन नये कृषि महाविद्यालय को शीघ्र चालू कराया जायेगा।
- कृषकों को अपने उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं को विक्रय की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रथम चरण में 6 जिलों- लखनऊ, झांसी, इटावा (सैफई), मैनपुरी, कन्नौज और कासगंज में किसान बाजार का निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया है। झांसी का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

पशुपालन

- पशुपालन के क्षेत्र में युवाओं की सक्रिय भागीदारी हेतु पशुमित्रों के सहयोग से कृत्रिम गर्भाधान की योजना लाई जा रही है।
- दुग्ध विकास कार्यक्रम के अंतर्गत नए डेयरी प्लांटों की स्थापना हेतु 400 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- कानपुर में मिल्क पाउडर प्लांट की स्थापना हेतु 80 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- वर्ष 2015-16 में माह दिसंबर 2015 तक 191 लाख मीट्रिक टन दुग्ध उत्पादन हुआ। वर्ष 2016-17 में दुग्ध उत्पादन का लक्ष्य 362 लाख मीट्रिक टन रखा गया है।
- 5000 हेक्टेयर सामुदायिक तालाबों को मत्स्य पालन के अंतर्गत आच्छादित कराया जाएगा।
- मछुआ समुदाय के आवास विहीन परिवारों को निःशुल्क आवास उपलब्ध कराए जाने हेतु 10 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- बाबूगढ़ और रहमान खेड़ा में अतिहिमीकृत वीर्य उत्पादन केंद्र की ग्रेडिंग में सुधार के लिए 28 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था का प्रस्ताव है।

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण

- औद्योगिक विकास एवं खाद्य प्रसंस्करण योजनाओं तथा उनके संचालन व्यय हेतु 320 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण मिशन योजना लागू की गई है जिसके लिए 42 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं।
- प्रदेश में आलू उत्पादन में वृद्धि, विपणन और निर्यात को प्रोत्साहन तथा गुणवत्तायुक्त आलू बीज का उत्पादन और वितरण कराए जाने के उद्देश्य से आलू विकास नीति, 2014 लागू की गई है।

ग्राम्य विकास

- ग्रामीण क्षेत्रों के भूमिहीन परिवारों के 18-59 वर्ष तक के आयु के मुखिया सदस्य के आश्रितों को 'आम आदमी बीमा योजना' में लाभ दिया जा रहा है।
- प्रदेश में पारम्परिक ऊर्जा के साथ-साथ सौर ऊर्जा के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण कार्य करते हुए, पिछले तीन वर्षों में पूरे प्रदेश में सौर ऊर्जा का उत्पादन पहले के मुकाबले 10 गुना हो गया है।
- राम मनोहर लोहिया समग्र ग्राम विकास योजना के अंतर्गत 70,000 सोलर स्ट्रीट लाइट की स्थापना तथा 40,000 लोहिया आवासों में सोलर पैक का प्रावधान किया गया है।

- कन्नौज के 2 गांव सोलर ऊर्जा से पूर्णत: ऊर्जीकृत किए गए हैं।
- ग्रामीण पेयजल कार्यक्रमों के लिए 2300 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- लोहिया ग्रामीण आवास हेतु 1,779 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं।
- इंदिरा आवास योजना के लिए 3,162 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना हेतु 2031 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था का प्रस्ताव है।
- स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनांतर्गत स्वच्छ शौचालयों के लिए 1,536 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं।
- ग्रामीण क्षेत्रों में कम से कम 16 घंटे तथा कृषि कार्यों के लिए कम से कम 8 घंटे बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने 7000 करोड़ रुपये की सेपरेशन योजना लागू करने का निर्णय लिया है।
- अक्टूबर, 2016 तक प्रत्येक गांव में बिजली की सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

अवस्थापना योजनाएं

- लखनऊ के साथ-साथ नोएडा, गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा में मेट्रो निर्माण का कार्य किया जा रहा है। आगरा, कानपुर, वाराणसी, मेरठ और इलाहाबाद में मेट्रो के निर्माण हेतु कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।
- देश का सबसे बड़ा ग्रामीण फील्ड एक्सप्रेस वे आगरा से लखनऊ में बन रहा है।
- समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का प्रस्ताव बजट में रखा गया है जो पूर्वी उत्तर प्रदेश को लखनऊ से जोड़ेगा।
- जनपद बलिया में श्रीरामपुर घाट पर गंगा नदी पर 2544 मीटर लंबे पुल का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा चुका है जो प्रदेश का सबसे लंबा पुल होगा।
- जनपद बलिया में ही चांदपुर गांव के पास घाघरा नदी पर 1314 मीटर लंबे पुल का भी निर्माण कराया जाएगा।
- वर्ष 2015-16 में एक लाख गांवों एवं मजरों का विद्युतीकरण पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है।
- लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे निर्माण हेतु 4003 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश में निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'निर्यात नीति उत्तर प्रदेश, 2015-2020' जारी की गई है।

नगर विकास

- **स्वच्छ भारत मिशन, स्मार्ट सिटी मिशन** तथा **अटल मिशन फॉर रिजूबनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन** (AMRUT) योजनाओं के लिए 2016-17 में क्रमश: 600 करोड़, 600 करोड़ तथा 700 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- नया सवेरा नगर विकास योजना के लिए 400 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं।

आवास एवं शहरी नियोजन

- जिला मुख्यालयों को 4 लेन मार्ग से जोड़े जाने के लिए वित्तीय वर्ष 2016-2017 में 1,111 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- विश्व बैंक सहायतित उत्तर प्रदेश कोर रोड नेटवर्क परियोजना हेतु 320 करोड़ रु. तथा एशियन विकास बैंक सहायतित उत्तर प्रदेश मुख्य जिला विकास परियोजना हेतु 260 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र की स्थापना के लिए 300 करोड़ रु. की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- लखनऊ मेट्रो रेल परियोजना के लिए वर्ष 2016-17 में रु. 814 करोड़ प्रस्तावित है।

सिंचाई

- सिंचाई कार्यक्रमों की नई योजनाओं के लिए 1574 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- जनपद झांसी में बेतवा नदी पर एरच के पास सिंचाई की बहुउद्देशीय परियोजनाओं के लिए 150 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं।

शिक्षा एवं रोजगार

- उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों के अंशकालिक शिक्षकों को मानदेय दिए जाने हेतु व्यवस्था की है।
- लघु उद्योग क्षेत्र में 'समाजवादी युवा स्वरोजगार योजना' लाई जा रही है जिसके माध्यम से युवाओं को अपने रोजगार स्थापित करने में मदद मिलेगी।
- प्रदेश के बेरोजगार कृषि स्नातकों/कृषि में प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु 'एग्री जंक्शन योजना' संचालित है।
- बांदा, बिजनौर, अम्बेडकर नगर, मैनपुरी, कन्नौज और सोनभद्र में इंजीनियरिंग कॉलेज में पठन-पाठन का कार्य वर्ष 2015-16 में प्रारंभ किया जा चुका है तथा आजमगढ़ में इंजीनियरिंग कॉलेज में शैक्षिक सत्र 2016-17 से प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है।
- देवीपाटन एवं बस्ती मंडल में एक-एक इंजीनियरिंग कॉलेज की स्वीकृति प्रदान की गई है।
- राजकीय मेडिकल कॉलेज कन्नौज, आजमगढ़, जालौन एवं सहारनपुर में प्रारंभ किया जा चुका है।
- बांदा, जौनपुर, चंदौली एवं बदायूं में मेडिकल कॉलेज निर्माणाधीन हैं। बांदा का शैक्षणिक सत्र 2016-17 में संचालित किए जाने का लक्ष्य है।
- जनपद बिजनौर के नजीबाबाद में नए मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का निर्णय लिया गया है।

- प्रदेश में राजकीय मेडिकल कॉलेजों की संख्या 16 हो जाएगी।
- जनपद गोंडा की तहसील करनैलगंज एवं जनपद फैजाबाद की तहसील मिल्कीपुर में नए पॉलीटेक्निक की स्थापना का निर्णय लिया गया है।
- जनपद गोंडा में निर्माणाधीन नए कृषि महाविद्यालय को शीघ्र चालू कराया जाएगा।
- सर्व शिक्षा अभियान के लिए 15,397 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं।
- संशोधित कन्या विद्या धन योजना के अंतर्गत प्रति छात्रा 30 हजार रुपये की दर से प्रोत्साहन स्वरूप धनराशि प्रदान किए जाने के लिए 300 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- कक्षा 10वीं एवं 12वीं पास मेधावी छात्र/छात्राओं को लैपटॉप दिया जाना प्रस्तावित है जिसके लिए 100 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अमेठी, मैनपुरी तथा झांसी में सैनिक स्कूल की स्थापना के लिए 150 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- बलिया जिले में विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु 10 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश में 12 पॉलीटेक्निक ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी स्थापित किए जा रहे हैं।
- 18 महिला पॉलीटेक्निक संचालित हैं जिनमें वित्तीय वर्ष 2016-17 में 15 महिला छात्रावास निर्मित कराए जाएंगे।
- कन्नौज में हृदय एवं कैंसर रोगों की विशिष्ट चिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु हृदय रोग एवं कैंसर संस्थान का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
- मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में मस्तिष्क ज्वर की महामारी की रोकथाम/समुचित उपचार हेतु 500 शैय्या वाले बाल रोग चिकित्सा संस्थान का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

खेल

- जनपद बलिया में स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना हेतु 5 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- वर्ष 2016 में रियो डि जेनेरियो अंतरराष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक विजेताओं को पुरस्कार राशि क्रमशः 6 करोड़ रु., 4 करोड़ रु. एवं 2 करोड़ रु. तथा इसी प्रकार टीम वर्ग को क्रमशः 3 करोड़ रु., 2 करोड़ रु. एवं 1 करोड़ रु. पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।
- राज्य के भूतपूर्व खिलाड़ियों की आर्थिक सहायता राशि को दोगुना करते हुए क्रमशः 10,000 रु. , 6000 रु. एवं 4000 रु. प्रतिमाह दिए जाने एवं अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार, खेल रत्न, पद्मश्री एवं पद्मभूषण से सम्मानित खिलाड़ियों को रु. 20,000 प्रतिमाह दिए जाने की व्यवस्था की गई है।

सामाजिक सुरक्षा

- समाजवादी पेंशन योजना के लाभार्थियों के लक्ष्य को बढ़ाकर 45 लाख से 55 लाख रु. करने का प्रस्ताव रखा है जिसके लिए 3327 करोड़ रु. प्रस्तावित है।
- वृद्धावस्था/किसान पेंशन योजना हेतु 1,550 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था है।
- राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के लिए 500 करोड़ रु. की बजट व्यवस्था है।
- रिक्शा चालकों को ई-रिक्शा दिए जाने के लिए 100 करोड़ रु. की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- गर्भवती महिलाओं हेतु फीडिंग कार्यक्रम के लिए 400 करोड़ रु. की बजट व्यवस्था है।
- 60 वर्ष से अधिक आयु के हथकरघा बुनकरों के लिए पेंशन योजना हेतु 30 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश की जनता के लिए राजकीय चिकित्सालयों में एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड एवं पैथोलॉजी जांचों की सुविधा निःशुल्क कर दी गई है।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए 4576 करोड़ रु. प्रस्तावित हैं।
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 प्रदेश में प्रथम चरण में जनवरी, 2016 से 28 जिलों में लागू कर दिया गया है तथा द्वितीय चरण में शेष 47 जिलों में मार्च, 2016 से लागू किया जाएगा।
- लखनऊ, इलाहाबाद, कन्नौज एवं झांसी में विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं की स्थापना हेतु 40 करोड़ रु. की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।

वन वन्य जीवन पर्यावरण एवं पर्यटन

- 4 दिसंबर, 2015 को पर्यावरण मंत्रालय द्वारा फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया की नवीनतम रिपोर्ट, 2015 के अनुसार उत्तर प्रदेश में वनावरण में वर्ष 2013 की तुलना में 112 वर्ग किलोमीटर (0.11 प्रतिशत) की वृद्धि हुई है।
- 4-6 दिसंबर, 2015 के मध्य पक्षियों के संरक्षण के लिए आगरा के राष्ट्रीय चंबल सेंचुरी में बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया गया।
- वर्ष 2016-17 के बजट में सीतापुर में आचार्य नरेंद्र देव स्मृति पार्क के लिए 10 करोड़ रु. की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- शेखा झील, अलीगढ़ को राष्ट्रीय पक्षी विहार के रूप में विकसित किए जाने के लिए 1 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- आगरा में मुगल म्यूजियम की स्थापना, सैफई (इटावा) में पर्यटन कॉम्पलेक्स का निर्माण तथा पर्यटन पुलिस बल का गठन राज्य सरकार द्वारा कराया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2016-2017

वर्ष 2014-2015 के वास्तविक आंकड़े, वर्ष 2015-16 के बजट अनुमान तथा पुनरीक्षित अनुमान एवं वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक अनुमानों के तुलनात्मक विवरण निम्न तालिका में प्रदर्शित हैं-

(करोड़ रुपये में)

बजट का सार				
	2014-2015 वास्तविक आंकड़े	2015-2016 बजट अनुमान	2015-2016 पुनरीक्षित अनुमान	2016-2017 बजट अनुमान
1. राजस्व प्राप्तियां	193421.61	249880.23	247722.43	281555.44
2. कर राजस्व	140795.33	178644.11	180713.56	206893.60
3. करेत्तर राजस्व @	52626.28	71236.12	67008.87	74661.84
4. पूंजी प्राप्तियां	35782.76	46843.02	78194.08	58565.17
5. ऋणों की वसूली	262.48	263.40	772.23	304.19
6. अन्य प्राप्तियां	0.00	0.00	0.00	0.00
7. उधार और अन्य देयताएं	3552028	46579.62	77421.85	58260.98
जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक से अर्थोपाय अग्रिम	1731.95	10000.00	4500.00	4000.00
8. कुल प्राप्तियां (1 + 4)	229204.37	296723.25	325916.51	340120.61
9. आयोजना-भिन्न व्यय	156901.03	195966.90	219088.50	220251.12
10. राजस्व खाते पर जिसमें	137764.88	165411.02	177271.01	194193.45
11. ब्याज अदायगियां	18864.44	21116.97	21313.49	27333.96
12. पूंजी खाते पर जिसमें	19136.15	30555.88	41817.49	26057.67
13. ऋण की अदायगियां जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त अर्थोपाय अग्रिम का प्रतिदान	9411.21 00.00	20983.89 10000.00	17618.55 6231.95	15114.27 4000.00
14. आयोजना व्यय	78707.43	106720.42	111341.51	126683.66
15. राजस्व खाते पर	33262.45	50345.16	52083.16	59161.09
16. पूंजी खाते पर	45444.98	56375.26	59258.35	67522.57
17. कुल व्यय (9 + 14)	235608.46	302687.32	330430.01	346934.78
18. राजस्व व्यय (10 + 15)	171027.33	215756.18	229354.17	25333454
19. पूंजी व्यय (12 + 16)	64581.13	86931.14	101075.84	93580.24
20. राजस्व बचत (1 - 18)	22394.28	34124.05	18368.26	28200.90
21. राजकोषीय घाटा	32513.16	31559.80	64316.80	49960.88
22. प्रारम्भिक घाटा (21-11)	13648.72	10442.83	43003.31	22626.92

* इसमें राज्य का स्वयं का कर राजस्व एवं केंद्रीय करों में राज्यांश सम्मिलित है।

@ इसमें राज्य का स्वयं का करेत्तर राजस्व एवं केंद्र से प्राप्त अनुदान सम्मिलित है।

उत्तर प्रदेश जनगणना-2011, अंतिम आंकड़े

भारत में पहली जनगणना 1872 ई. में संपन्न हुई लेकिन इसकी विधिवत शुरुआत 1881 ई. में लॉर्ड रिपन के कार्यकाल से मानी जाती है। तब से प्रत्येक 10 वर्ष के अंतराल पर नियमित जनगणना होती रही है। इसी क्रम में 31 मार्च, 2011 को 1872 से लगातार 15वीं और स्वतंत्र भारत की लगातार 7वीं जनगणना के समग्र अनंतिम आंकड़े 31 मार्च, 2011 को एवं अंतिम आंकड़े 30 अप्रैल, 2013 को जारी किए गए जबकि राज्य स्तर पर अंतिम आंकड़े 29 मई, 2013 को जारी किए गए। जनगणना 2011 उत्तर प्रदेश के 71 जिलों, 312 तहसीलों, 915 नगरों (648 वैधानिक नगर एवं 267 जनगणना नगर) तथा 106774 गांवों में संपन्न हुई।

- 2011 की अंतिम जनगणना रिपोर्ट के अनुसार, राज्य की कुल जनसंख्या- 199812341 (उन्नीस करोड़ अट्ठानवे लाख बारह हजार तीन सौ इकतालिस) है। यह भारत की कुल जनसंख्या का 16.51 प्रतिशत (2001 में 16.16 प्रतिशत) है जो पिछले दशक से 3,36,14,420 अधिक है।
- देश का सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य उत्तर प्रदेश है जिसकी जनसंख्या अब ब्राजील की कुल जनसंख्या से भी अधिक हो गई है।
- यदि उत्तर प्रदेश को भारत से पृथक रखा जाये तो **चीन**, **भारत**, **सं.रा. अमेरिका**, **इंडोनेशिया** के बाद यह विश्व का **पांचवां** सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश होगा।

धार्मिक जनगणना 2011 के आंकड़े

प्रमुख धर्म	जनसंख्या प्रतिशत (भारत)	जनसंख्या प्रतिशत (उत्तर प्रदेश)
हिन्दू	79.80%	79.73%
मुस्लिम	14.23%	19.26%
ईसाई	2.30%	0.18%
सिख	1.72%	0.32%
बौद्ध	0.70%	0.10%
जैन	0.37%	0.11%
अन्य	0.66%	0.01%

- देश में क्षेत्रफल की दृष्टि से उत्तर-प्रदेश (240928 वर्ग किमी.) का स्थान-राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र चौथा है।
- अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश की कुल जनसंख्या में पुरुष जनसंख्या 52.29% (104480510) है जो 2001 की जनगणना के अनुसार 52.69% थी।
- उत्तर प्रदेश की कुल जनसंख्या में महिला जनसंख्या 9,53,31,831 है जो कि उत्तर प्रदेश की कुल जनसंख्या का 47.71 प्रतिशत है।
- अंतिम आंकड़ों के अनुसार, 0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या 30,791,331 है जो प्रदेश की कुल जनसंख्या का 15.41 प्रतिशत है।
- जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के जिलों में सर्वाधिक जनसंख्या क्रमशः (घटते क्रम में)- **इलाहाबाद, मुरादाबाद, गाजियाबाद, आजमगढ़** एवं **लखनऊ** की है।
- जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के जिलों में न्यूनतम जनसंख्या क्रमशः (बढ़ते क्रम में)- महोबा, **चित्रकूट, हमीरपुर, श्रावस्ती** एवं **ललितपुर** की है।

  नोट : जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के जिलों में केवल इलाहाबाद जिले की ही जनसंख्या 5 मिलियन (50 लाख) से अधिक (5.95 मिलियन) और महोबा एवं चित्रकूट जिलों की जनसंख्या ही 1 मिलियन से कम (क्रमशः 0.87 एवं 0.99 मिलियन) है।

उत्तर प्रदेश जनसंख्या : महत्त्वपूर्ण आंकड़े

	जनगणना 2001 (अंतिम)	जनगणना 2011 (अंतिम)	भारत में उत्तर प्रदेश का स्थान
कुल क्षेत्रफल (वर्ग किमी. में)		240,928	चौथा
कुल जनसंख्या	166,197,921	19,98,12,341	प्रथम
पुरुष जनसंख्या	87,565,369	104,480,510	प्रथम
महिला जनसंख्या	78,632,552	95,331,831	प्रथम
दशकीय वृद्धि दर (प्रतिशत)	25.85	20.2	14वां
जन घनत्व (प्रति वर्ग किमी.)	690	829	9वां (राज्य की दृष्टि से चौथा)
लिंगानुपात (प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाएं)	898	912	26वां
0-6 आयु वर्ग में लिंगानुपात	916	902	26वां
साक्षरता दर (प्रतिशत)	56.27	67.7	29वां
पुरुष साक्षरता दर	68.82	77.3	29वां
महिला साक्षरता दर	42.22	57.2	31वां

उत्तर प्रदेश जनगणना 2011 : स्मरणीय तथ्य

- सर्वाधिक जनसंख्या वाले 5 जिले-
  इलाहाबाद > मुरादाबाद > गाजियाबाद > आजमगढ़ > लखनऊ
- न्यूनतम जनसंख्या वाले 5 जिले-
  महोबा < चित्रकूट < हमीरपुर < श्रावस्ती < ललितपुर
- सर्वाधिक पुरुष जनसंख्या वाले 5 जिले-
  इलाहाबाद > मुरादाबाद > गाजियाबाद > कानपुर नगर > लखनऊ
- सर्वाधिक महिला जनसंख्या वाले 5 जिले-
  इलाहाबाद > आजमगढ़ > जौनपुर > मुरादाबाद > लखनऊ
- सर्वाधिक दशकीय वृद्धि दर वाले 5 जिले-
  गौतमबुद्ध नगर > गाजियाबाद > श्रावस्ती > बहराइच > बलरामपुर
- न्यूनतम दशकीय वृद्धि दर वाले 5 जिले-
  कानपुर नगर < हमीरपुर < बागपत < फतेहपुर < देवरिया
- सर्वाधिक जनघनत्व वाले 5 जिले-
  गाजियाबाद > वाराणसी > लखनऊ > संत रविदास नगर > कानपुर नगर
- न्यूनतम जनघनत्व वाले 5 जिले-
  ललितपुर < सोनभद्र < हमीरपुर < महोबा < चित्रकूट
- सर्वाधिक साक्षरता दर वाले 5 जिले-
  गौतमबुद्ध नगर > कानपुर नगर > औरैया > इटावा > गाजियाबाद
- न्यूनतम साक्षरता दर वाले 5 जिले-
  श्रावस्ती < बहराइच < बलरामपुर < बदायूं < रामपुर
- सर्वाधिक पुरुष साक्षरता दर वाले 5 जिले-
  गौतमबुद्ध नगर > औरैया > इटावा > गाजियाबाद > झांसी
- न्यूनतम पुरुष साक्षरता दर वाले 5 जिले-
  श्रावस्ती < बहराइच < बलरामपुर < बदायूं < रामपुर
- सर्वाधिक महिला साक्षरता दर वाले 5 जिले-
  कानपुर नगर > लखनऊ > गौतमबुद्ध नगर > औरैया > गाजियाबाद
- न्यूनतम महिला साक्षरता दर वाले 5 जिले-
  श्रावस्ती < बलरामपुर < बहराइच < बदायूं < रामपुर
- सर्वाधिक लिंगानुपात वाले 5 जिले-
  जौनपुर > आजमगढ़ > देवरिया > प्रतापगढ़ > सुल्तानपुर
- न्यूनतम लिंगानुपात वाले जिले-
  गौतमबुद्ध नगर < बागपत < हमीरपुर < कानपुर नगर/मथुरा < बांदा
- सर्वाधिक शिशु लिंगानुपात वाले 5 जिले-
  बलरामपुर > संत कबीर नगर > बहराइच > सिद्धार्थ नगर > बाराबंकी
- न्यूनतम शिशु लिंगानुपात वाले 5 जिले-
  बागपत < गौतमबुद्ध नगर < गाजियाबाद < मेरठ < बुलंदशहर
- सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या वाले 5 जिले-
  इलाहाबाद > आजमगढ़ > जौनपुर > सीतापुर > गोरखपुर
- न्यूनतम ग्रामीण जनसंख्या वाले 5 जिले-
  गौतमबुद्ध नगर < महोबा < हमीरपुर < चित्रकूट < बागपत
- सर्वाधिक ग्रामीण प्रतिशतता वाले 5 जिले-
  श्रावस्ती > कुशीनगर > महराजगंज > सुल्तानपुर > प्रतापगढ़
- न्यूनतम ग्रामीण प्रतिशतता वाले 5 जिले-
  गाजियाबाद < लखनऊ < कानपुर नगर < गौतमबुद्ध नगर < मेरठ
- सर्वाधिक ग्रामीण साक्षरता दर वाले 5 जिले-
  औरैया > इटावा > मैनपुरी > कानपुर देहात > गौतमबुद्ध नगर
- न्यूनतम ग्रामीण साक्षरता दर वाले 5 जिले-
  श्रावस्ती < बहराइच < बलरामपुर < बदायूं < रामपुर
- सर्वाधिक ग्रामीण शिशु लिंगानुपात वाले 5 जिले-
  बलरामपुर > संत कबीर नगर > बहराइच > सिद्धार्थ नगर > फैजाबाद
- न्यूनतम ग्रामीण शिशु लिंगानुपात वाले 5 जिले-
  गौतमबुद्ध नगर < बागपत < बुलंदशहर < गाजियाबाद < मेरठ
- सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या वाले 5 जिले-
  गाजियाबाद > लखनऊ > कानपुर नगर > आगरा > मेरठ
- न्यूनतम नगरीय जनसंख्या वाले 5 जिले-
  श्रावस्ती < चित्रकूट < कौशाम्बी < संत कबीर नगर < महराजगंज
- सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या प्रतिशतता वाले 5 जिले-
  गाजियाबाद > लखनऊ > कानपुर नगर > गौतमबुद्ध नगर > मेरठ
- न्यूनतम नगरीय प्रतिशतता वाले 5 जिले-
  श्रावस्ती < कुशीनगर < महराजगंज < सुल्तानपुर < प्रतापगढ़
- सर्वाधिक अनुसूचित जाति जनसंख्या वाले 5 जिले-
  सीतापुर > इलाहाबाद > हरदोई > आजमगढ़ > खीरी
- न्यूनतम अनुसूचित जाति जनसंख्या वाले 5 जिले-
  बागपत < श्रावस्ती < गौतमबुद्ध नगर < महोबा < ललितपुर
- सर्वाधिक अनुसूचित जाति प्रतिशतता वाले 5 जिले-
  कौशाम्बी > सीतापुर > हरदोई > उन्नाव > रायबरेली
- न्यूनतम अनुसूचित जाति प्रतिशतता वाले 5 जिले-
  बागपत < बरेली < बलरामपुर < गौतमबुद्ध नगर < रामपुर/वाराणसी
- सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति वाले 5 जिले-
  सोनभद्र > बलिया > देवरिया > कुशीनगर > ललितपुर
- न्यूनतम अनुसूचित जनजाति वाले 5 जिले-
  बागपत < कन्नौज < बदायूं < एटा < कांशीराम नगर
- सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति (ST) प्रतिशतता वाले 5 जिले-
  सोनभद्र > ललितपुर > देवरिया > बलिया > कुशीनगर
- सर्वाधिक साक्षरों की संख्या वाले 5 जिले-
  इलाहाबाद > कानपुर नगर > लखनऊ > गाजियाबाद > आजमगढ़
- न्यूनतम साक्षरों की संख्या वाले 5 जिले-
  श्रावस्ती < महोबा < चित्रकूट < ललितपुर < हमीरपुर
- **सर्वाधिक व न्यूनतम वैधानिक नगरों की संख्या वाले जिले**
  क्रमशः- बदायूं एवं श्रावस्ती
- सर्वाधिक जनगणना नगर वाला जिला - वाराणसी (34)
- सर्वाधिक स्लम जनसंख्या वाला नगर - मेरठ

❑ 0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या

- उत्तर प्रदेश में 0–6 आयु वर्ग की जनसंख्या 3,07,91,331 है जो प्रदेश की कुल जनसंख्या का 15.4 प्रतिशत है।
- 2011 की जनगणना में प्रदेश की 0–6 आयु वर्ग की जनसंख्या का अनुपात राष्ट्रीय स्तर के अनुपात 13.6 प्रतिशत से भी अधिक है।
- जनसंख्या 2011 के अंतिम आकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के जिलों में सर्वाधिक शिशु जनसंख्या क्रमशः (घटते क्रम में)- इलाहाबाद, मुरादाबाद, गाजियाबाद, आजमगढ़ एवं लखनऊ की है।
- जनगणना 2011 के अंतिम आकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के जिलों में न्यूनतम शिशु जनसंख्या क्रमशः (बढ़ते क्रम में)- महोबा, चित्रकूट, हमीरपुर, श्रावस्ती एवं ललितपुर की है।

❑ दशकीय वृद्धि दर

- जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में जनसंख्या की दशकीय (2001-2011) वृद्धि दर 20.2 प्रतिशत रही है (1991-2001 के दौरान 25.85%) जो कि समग्र भारत की 17.7 प्रतिशत की दर से कहीं अधिक है।
- 2001-2011 के दौरान उत्तर प्रदेश में दशकीय वृद्धि दर में गिरावट राष्ट्रीय स्तर से अधिक रही है।
- जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, दशकीय वृद्धि दर की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का देश के राज्यों/संघीय क्षेत्रों में 14वां तथा 28 राज्यों में 10वां स्थान है।
- **जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, 2001 से 2011 के दौरान उत्तर प्रदेश के सर्वाधिक दशकीय वृद्धि दर वाले जिले क्रमशः (घटते क्रम में) हैं- गौतमबुद्ध नगर (49.1%), गाजियाबाद (41.3%), श्रावस्ती (30.5%), बहराइच (29.3%), बलरामपुर (27.7%)।**
- **जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, 2001 से 2011 के दौरान उत्तर प्रदेश के न्यूनतम दशकीय वृद्धि दर वाले जिले क्रमशः (बढ़ते क्रम में) हैं- कानपुर नगर (9.9%), हमीरपुर (11.1%), बागपत (11.9%), फतेहपुर (14.1%) देवरिया (14.2%)।**

❑ जनसंख्या घनत्व

- जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में जनघनत्व (1 वर्ग किमी. में औसतन निवासित व्यक्तियों की संख्या) 829 है जबकि 2001 में यह संख्या 690 थी।
- जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश का जनघनत्व समग्र भारत के औसत जनघनत्व (382) के दुगने से भी अधिक है तथा देश के 28 राज्यों में इस संदर्भ में इसका स्थान चौथा एवं सभी राज्यों/संघीय क्षेत्रों में इसका स्थान 9वां है।
- जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के अधिकतम जनघनत्व वाले जिले क्रमशः (घटते क्रम में) हैं- गाजियाबाद (3971), वाराणसी (2395), लखनऊ (1816), संत रविदास नगर (1555) तथा कानपुर नगर (1452)।
- जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के न्यूनतम जनघनत्व वाले जिले क्रमशः (बढ़ते क्रम में) हैं- ललितपुर (242) सोनभद्र (270), हमीरपुर (275), महोबा (279) एवं चित्रकूट (308)।
- जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, राज्य के औसत जनघनत्व से 37 जिलों का जनघनत्व अधिक है।

❑ लिंगानुपात

- जनगणना, 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में लिंगानुपात (प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या) 912 है जबकि 2001 में यह संख्या 898 थी। 2001 की तुलना में 2011 में प्रदेश के लिंगानुपात में सुधार (14 अंक की वृद्धि) हुआ है।
- जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश का लिंगानुपात समग्र भारत के लिंगानुपात (943) से 31 कम है तथा इस दृष्टि से इसका स्थान देश के सभी राज्यों/संघीय क्षेत्रों में 26वां है।
- जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के अधिकतम लिंगानुपात वाले जिले क्रमशः (घटते क्रम में) हैं- जौनपुर (1024), आजमगढ़ (1019), देवरिया (1017), प्रतापगढ़ (998) एवं सुल्तानपुर (983)।
- जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के न्यूनतम लिंगानुपात वाले जिले क्रमशः (बढ़ते क्रम में) हैं- गौतमबुद्ध नगर (851), हमीरपुर (861), बागपत (861), कानपुर नगर (863) एवं बांदा (863)।
- जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, राज्य के औसत लिंगानुपात से 25 जिलों का लिंगानुपात अधिक है तथा राष्ट्रीय औसत लिंगानुपात (943) से 15 जिलों का लिंगानुपात अधिक है तथा महराजगंज एवं रायबरेली जिलों का लिंगानुपात (943) राष्ट्रीय औसत के समान है।

वर्ष	उत्तर प्रदेश में लिंगानुपात का स्तर
1961	907
1971	876
1981	882
1991	876
2001	898
2011	912

- स्वतंत्रता के बाद केवल 1981, 2001 तथा अब 2011 में राज्य के लिंगानुपात में वृद्धि हुई है। **सर्वाधिक वृद्धि 2001 में (876 से 898) हुई** थी।
- जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में 0-6 आयु वर्ग अर्थात शिशु लिंगानुपात 902 है जो कि 2001 में 916 था। इस प्रकार 2001-2011 के दौरान शिशु लिंगानुपात में 14 अंक की कमी हुई है।
- जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, राज्य के औसत शिशु लिंगानुपात से 37 जिलों का लिंगानुपात अधिक है तथा

राष्ट्रीय शिशु लिंगानुपात (919) से 23 जिलों का लिंगानुपात अधिक है। आजमगढ़ का शिशु लिंगानुपात (919) राष्ट्रीय औसत के समान तथा बांदा/संत रविदास नगर/मिर्जापुर का शिशु लिंगानुपात (902) राज्य के औसत शिशु लिंगानुपात के समान है।

- उत्तर प्रदेश के सर्वाधिक शिशु लिंगानुपात वाले जिले क्रमशः (घटते क्रम में) हैं- बलरामपुर (950), संत कबीर नगर (942), बहराइच (935), सिद्धार्थ नगर (935) एवं बाराबंकी (932)।
- जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के न्यूनतम शिशु लिंगानुपात वाले जिले क्रमशः (बढ़ते क्रम में) हैं- बागपत (841), गौतमबुद्ध नगर (843), गाजियाबाद (850), मेरठ (852) एवं बुलंदशहर (854)।
- शिशु लिंगानुपात की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का स्थान देश के 28 राज्यों में 21वां और सभी राज्यों/संघीय क्षेत्रों में 26वां है।

❑ साक्षरता दर

- जनगणना, 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में कुल साक्षरता दर 67.7 प्रतिशत है (2001 में 56.3%) जो कि समग्र भारत की साक्षरता दर (73.0 प्रतिशत) से **5.3%** कम है। 2001-2011 के दौरान प्रदेश की साक्षरता में **11.4%** की वृद्धि हुई।
- साक्षरता दर के संदर्भ में उत्तर प्रदेश का स्थान सभी राज्यों/संघीय क्षेत्रों में 29वां तथा देश के 28 राज्यों में 22वां है।
- उत्तर प्रदेश साक्षर जनसंख्या वृद्धि में (57.25%) देश का तीसरा राज्य है।
- जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के सर्वाधिक साक्षरता दर वाले जिले क्रमशः (घटते क्रम में) हैं- गौतमबुद्ध नगर (80.1%), कानपुर नगर (79.7%), औरैया (78.9%), इटावा (78.4%), गाजियाबाद (78.1%) एवं लखनऊ (77.3%)।
- जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के न्यूनतम साक्षरता दर वाले जिले क्रमशः (बढ़ते क्रम में) हैं- श्रावस्ती (46.7%), बहराइच (49.4%), बलरामपुर (49.5%), बदायूं (51.3%) तथा रामपुर (53.3%)।
- जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में पुरुष साक्षरता दर 77.28 प्रतिशत (2001 में 68.82 प्रतिशत) है जबकि समग्र भारत में यह 80.9 प्रतिशत के स्तर पर है। 2001-2011 के दौरान उत्तर प्रदेश के पुरुष साक्षरता दर में **8.48** प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के सर्वाधिक पुरुष साक्षरता दर वाले जिले क्रमशः (घटते क्रम में) हैं- गौतमबुद्ध नगर (88.1%), औरैया (86.1%), इटावा (86.1%), गाजियाबाद (85.4%) एवं झांसी (85.4%)।
- जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के न्यूनतम पुरुष साक्षरता दर वाले जिले क्रमशः (बढ़ते क्रम में) हैं- श्रावस्ती (57.2%), बहराइच (58.3%), बलरामपुर (59.7%), बदायूं (61%), एवं रामपुर (61.4%)।
- जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में महिला साक्षरता दर 57.2 प्रतिशत (2001 में 42.2%) है जबकि समग्र भारत में यह 64.6 प्रतिशत के स्तर पर है।
- इस संदर्भ में देश के सभी राज्यों/संघीय क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश का स्थान **31वां** तथा 28 राज्यों में **24वां** है।
- जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के सर्वाधिक महिला साक्षरता दर वाले जिले क्रमशः (घटते क्रम में) हैं- कानपुर नगर (75.1%), लखनऊ (71.5%), गौतमबुद्ध नगर (70.8%), औरैया (70.6%) एवं गाजियाबाद (69.8%)।
- जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के न्यूनतम महिला साक्षरता दर वाले जिले क्रमशः (बढ़ते क्रम में) हैं- श्रावस्ती (34.8%), बलरामपुर (38.4%), बहराइच (39.2%), बदायूं (40.1%) एवं रामपुर (44.4%)।
- जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, 2011 में उत्तर प्रदेश के जिलों में साक्षरता लिंगांतर (Gender gap in Literacy) सर्वाधिक महराजगंज में (26.9%) तथा सबसे कम कानपुर नगर (8.5%) में है।

❑ नगरीकरण

- जनगणना, 2011 के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में कुल नगरीय जनसंख्या **44,495,063** है जो राज्य की कुल जनसंख्या का **22.3** प्रतिशत है।

वर्ष	प्रदेश की कुल साक्षरता दर (% में)	दशक के दौरान कुल साक्षरता में वृद्धि (% में)	प्रदेश की पुरुष साक्षरता दर (% में)	दशक (2001-2011) के दौरान पुरुष साक्षरता में वृद्धि (% में)	प्रदेश की स्त्री साक्षरता दर (% में)	दशक के दौरान स्त्री साक्षरता दर में वृद्धि (% में)	पुरुष-स्त्री साक्षरता दर में अंतर (% में)
1951	12.02	–	19.17	–	4.07	–	15.0
1961	20.87	8.85	32.08	12.91	8.36	4.0	23.72
1971	23.99	3.12	35.01	2.93	11.26	2.87	23.75
1981	32.65	8.66	46.65	11.64	16.74	5.51	29.91
1991	41.71	9.06	54.82	8.17	24.37	7.63	30.45
2001	56.3	14.55	68.82	13.98	42.2	17.83	26.6
2011	67.7	11.41	77.28	8.48	57.2	15.0	20.08

- जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में कुल ग्रामीण जनसंख्या 155,317,278 है जो राज्य की कुल जनसंख्या का 77.7 प्रतिशत है।
- जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में नगरीय साक्षरता दर 75.14 प्रतिशत है जिसमें नगरीय पुरुष साक्षरता दर 80.45 तथा नगरीय महिला साक्षरता दर 60.96 प्रतिशत है।
- जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में ग्रामीण साक्षरता दर **65.46 प्रतिशत** है जिसमें ग्रामीण पुरुष साक्षरता दर **76.33 प्रतिशत** तथा ग्रामीण महिला साक्षरता दर **48.48 प्रतिशत** है।
- जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या वाला जिला गाजियाबाद एवं न्यूनतम नगरीय जनसंख्या वाला जिला श्रावस्ती है।
- जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या वाला जिला इलाहाबाद एवं न्यूनतम ग्रामीण जनसंख्या वाला जिला गौतमबुद्ध नगर।
- सर्वाधिक एवं न्यूनतम ग्रामीण प्रतिशतता वाला जिला क्रमशः श्रावस्ती (96.5%) एवं गाजियाबाद (32.4%) है।
- जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक नगरीकरण प्रतिशत वाला जिला गाजियाबाद (67.6%) एवं न्यूनतम नगरीकरण प्रतिशत वाला जिला श्रावस्ती (3.5%) है।
- जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के कुल 915 (648 वैधानिक नगर एवं 267 जनगणना नगर) नगरों में से 1 से 10 लाख आबादी वाले वैधानिक नगरों की संख्या 64 है तथा 10 लाख या उससे अधिक आबादी वाले वैधानिक नगरों की संख्या **7** है।
- 2011 की जनगणना के अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के मिलियन प्लस नगरीय संकुलन (एवं उनकी जनसंख्या) क्रमशः है- 1. कानपुर नगर UA* (2.92 मिलियन), 2. लखनऊ UA (2.90 मिलियन), 3. गाजियाबाद UA (2.36 मिलियन), 4. आगरा UA (1.75 मिलियन), 5. वाराणसी UA (1.44 मिलियन), 6. मेरठ UA (1.43 मिलियन) तथा 7. इलाहाबाद UA (1.22 मिलियन)।

  * UA का अर्थ है Urban Agglomeration (नगरीय संकुलन)।
- नगर निगम क्षेत्र की आबादी के आधार पर **10 लाख** से अधिक आबादी वाले नगर (घटते क्रम में) हैं- लखनऊ (2.82 मिलियन), कानपुर नगर (2.77 मिलियन), गाजियाबाद (1.64 मिलियन), आगरा (1.58 मिलियन), मेरठ (1.31 मिलियन), वाराणसी (1.20 मिलियन) व इलाहाबाद (1.12 मिलियन)।
- जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, 10 लाख से अधिक नगरीय जनसंख्या वाले जिलों की संख्या उत्तर प्रदेश में 12 है।
- 2011 के जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, कुल नगरीय जनसंख्या की दृष्टि से देश में उत्तर प्रदेश (4,44,95,063) का महाराष्ट्र (5,08,18,259) के बाद दूसरा स्थान है।
- देश में कुल नगरीय जनसंख्या में उत्तर प्रदेश का योगदान 11.79% है।
- राज्य की कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या के प्रतिशत की दृष्टि से उत्तर प्रदेश देश के राज्यों में 30वें स्थान पर है।
- राज्य के 23 जिलों में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत राज्य के औसत नगरीय प्रतिशत 22.3% से अधिक है।

❑ अनुसूचित जाति

- 30 अप्रैल, 2013 को जारी जनगणना, 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जाति (SC) की जनसंख्या 41,357,608 (पुरुष-21,676,975 तथा महिलाएं-19,680,633) हैं।
- जो कि प्रदेश की कुल जनसंख्या का 20.7% है जबकि संपूर्ण देश की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जातियों की जनसंख्या का प्रतिशत **16.6** है।
- देश में जनसंख्या की दृष्टि से सर्वाधिक अनुसूचित जाति वाला राज्य उत्तर प्रदेश है।
- देश में अनुसूचित जाति की सर्वाधिक प्रतिशतता वाला राज्य पंजाब (31.9%) है जबकि उत्तर प्रदेश इस दृष्टि से चौथे स्थान (20.69%) पर है।
- प्रदेश में सर्वाधिक अनुसूचित जाति जनसंख्या वाले जिले क्रमशः (घटते क्रम में) हैं- सीतापुर (14,46,427), इलाहाबाद (13,09,851), हरदोई (12,74,505), आजमगढ़ (11,71,378)।
- प्रदेश में सबसे कम अनुसूचित जाति जनसंख्या वाले जिले क्रमशः (बढ़ते क्रम में) हैं- बागपत (1,49,060), श्रावस्ती (1,89,334) गौतमबुद्ध नगर (2,16,105), महोबा (2,20,898)।
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, उत्तर प्रदेश के सर्वाधिक अनुसूचित जाति प्रतिशतता वाले जिले (घटते क्रम में) हैं- कौशाम्बी (34.7%), सीतापुर (32.3%), हरदोई (31.1%) तथा उन्नाव (30.5%)।
- 2001 की जनगणनानुसार, उत्तर प्रदेश के सर्वाधिक अनुसूचित जाति प्रतिशतता वाले जिले (घटते क्रम में) थे- सोनभद्र (41.92%), कौशाम्बी (36.10%), सीतापुर (31.87%), हरदोई (31.36%) तथा उन्नाव (30.64%)।

  नोट- 2001 की जनगणना की तुलना में 2011 की जनगणना के तहत सोनभद्र में अनुसूचित जातियों की प्रतिशतता में अत्यधिक कमी (42.92% से कम होकर 22.64%) का कारण यह है कि यहां की कई अनुसूचित जातियों को 2003 के राष्ट्रपति के संशोधन आदेश के तहत अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में प्रतिस्थापित किया गया है।

दशकीय वृद्धि दर- भारत एवं उत्तर प्रदेश

दशक	भारत (दशकीय वृद्धि दर % में)	उत्तर-प्रदेश (दशकीय वृद्धि दर % में)	उत्तर-प्रदेश (वार्षिक वृद्धि दर % में)
1901-1911	+5.75	–1.36	– 0.15
1911-1921	–0.31	–3.16	– 0.62
1921-1931	11.00	6.56	– 0.30
1931-1941	14.22	13.57	1.27
1941-1951	13.31	11.78	1.11
1951-1961	21.51	16.38	1.48
1961-1971	24.80	19.54	1.73
1971-1981	24.66	25.39	2.8
1981-1991	23.87	25.61	2.29
1991-2001	21.54	25.85	2.33
2001-2011	17.70	20.23	–

स्लम जनगणना- 2011 : उत्तर प्रदेश

राज्य	नगर		विभिन्न प्रकार के स्लमों में जनसंख्या			
	वैधानिक नगर	प्रतिवेदित स्लम नगर	कुल स्लम जनसंख्या	अधिसूचित स्लम में जनसंख्या	स्वीकृत स्लम में जनसंख्या	चिह्नित स्लम में जनसंख्या
उत्तर प्रदेश	648	293	62,39,965	5,62,548	46,78,326	9,99,091

- जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में अनुसूचित जाति जनसंख्या के सबसे कम प्रतिशतता वाले जिले क्रमशः (बढ़ते क्रम में) है- बागपत (11.44%), बरेली (12.53%), बलरामपुर (12.90%), गौतमबुद्ध नगर (13.11%), व रामपुर (13.18%)।
- राज्य की अनुसूचित जातियों में लिंगानुपात **2011 में 907** है जबकि 2001 में 900 और 1991 में 875 था। आजमगढ़ में अनुसूचित जातियों में लिंगानुपात सर्वाधिक (1021) पाया गया है।

❑ अनुसूचित जनजाति

- 2011 की जनगणना के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जनजातियों की जनसंख्या 11,34,273 है जिसमें 5,81,083 पुरुष एवं 5,53,190 स्त्रियां हैं।
- राज्य की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजातियों की जनसंख्या का प्रतिशत **0.6** है जबकि भारत की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजातियों की जनसंख्या का प्रतिशत **8.6** है।
- सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति जनसंख्या वाले जिले क्रमशः (घटते क्रम में) हैं- सोनभद्र (3,85,018), बलिया एवं (1,10,114) देवरिया (1,09,894)।
- न्यूनतम अ.ज.जा. जनसंख्या वाले राज्य के जिले क्रमशः (बढ़ते क्रम में) हैं- बागपत (14), कन्नौज (15) एवं बदायूं (58)।
- सर्वाधिक अ.ज.जा. जनसंख्या प्रतिशत वाले जिले क्रमशः (घटते क्रम में) हैं- सोनभद्र (20.7%), ललितपुर (5.9%), देवरिया (3.5%) एवं बलिया (3.4%)।
- जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के अ.ज.जा. में **लिंगानुपात 951** है।

❑ स्लम जनगणना

- देश की कुल स्लम जनसंख्या में उत्तर प्रदेश की भागीदारी-2011 में 9.5 प्रतिशत (2001 में 11.0%) । इस संदर्भ में महाराष्ट्र (18.1%), आंध्र प्रदेश (15.6%), तथा प. बंगाल (9.8%) के बाद उत्तर प्रदेश का स्थान चौथा है।
- सर्वाधिक स्लम जनसंख्या वाले शीर्ष पांच राज्यों/संघीय प्रदेशों में उत्तर प्रदेश का चौथा स्थान (1- महाराष्ट्र, 2- आंध्र प्रदेश, 3- प. बंगाल के बाद) है।
- जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश की कुल स्लम जनसंख्या में 32,98,339 पुरुष एवं 29,41,626 महिलाएं हैं।
- जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश की स्लमों में साक्षरता दर 69.0 प्रतिशत है।
- जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के स्लमों में कार्य भागीदारी दर 31 प्रतिशत है।

नोट- जनगणना, 2011 में उत्तर प्रदेश के 71 जिलों के संदर्भ में ही आंकड़े दिए गए हैं तथा नवसृजित जिलों के आंकड़े इनके मूल जिलों में ही समाहित हैं।